भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

भारतमाला

प्रगति की नई गति

कम समय में अधिक दूरी

अब तय करेगी दिल्ली

प्रमुख ट्रैफिक फ्लो:
दिल्ली में प्रवेश करें

दिल्ली देश की राजधानी है। यह पांच राष्ट्रीय राजमार्गों एनएच–1, एनएच–2, एनएच–8, एनएच–10 और एनएच–24 से जुड़ी हुई है। यहां हर दिन उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान से भारी संख्या में वाहनों का आना–जाना होता। दिल्ली में यातायात की विकट समस्या को हल करने के लिए कई बड़े और महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। पिछले चार साल में दिल्ली में बाहर से आने वाले वाहनों को रोकने के प्रयास किए गए। सड़कों का ऐसा तंत्र विकसित किया गया, जिससे थमे हुए यातायात को रफ्तार मिल सके। समय, ईंधन में बचत के साथ दिल्ली की प्रदूषण समस्या को हल करने का भी प्रयास किया गया है। दिल्ली में नए सड़क निर्माण के लिए 60,500 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है, इससे दिल्ली स्वस्थ और स्वच्छ महानगर के रूप में उभरकर सामने आएगी। दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे और द्वारका एक्सप्रेस–वे राजधानी को जाम और प्रदूषण से राहत दिलाने की दिशा में मील के पत्थर साबित होंगे।

जब अच्छी सड़कों का नेटवर्क बनाया जाता है, तो देश की अर्थव्यवस्था भी गतिशील हो जाती है। सड़कें राष्ट्र की नसें और धमनियां हैं, जो विकास की गति को बदलने में मदद करती हैं और यह सुनिश्चित करती हैं कि समृद्धि हमारे देश के दूरस्थ कोने तक पहुंच सके।

नरेंद्र मोदी
प्रधान मंत्री

पिछले चार साल में हमने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 1,26,350 किमी तक बढ़ा दी है। 2014 से 2018 के बीच राजमार्ग क्षेत्र में 20% की वृद्धि आई है। पर्यटन स्थलों, सीमा क्षेत्र, आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों को जोड़ा जा रहा है। सड़क, रेल और बंदरगाह के बीच सम्पर्क बढ़ाए गए हैं। इसके माध्यम से बहुआयामी सामाजिक आर्थिक विकास के साथ लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं।

आने वाले वर्षों में हमने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े सड़क नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 6 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश वाली परियोजनाओं पर काम करने की योजना बनाई है।

नितिन गडकरी

केंद्रीय मंत्री, सड़क परिवहन, राजमार्ग मंत्रालय, नौवहन एवं जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प

दिल्ली प्रोजेक्ट

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे	10,000 करोड़
दिल्ली सहारनपुर राजमार्ग	10,000 करोड़
दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे	7,000 करोड़
द्वारका एक्सप्रेस–वे	6,000 करोड़
नया रिंग रोड	4,000 करोड़
मुकरबा चौक से पानीपत	23, 000 करोड़
फरीदाबाद, नोएडा, गुड़गांव	500 करोड़
कुल	**60,500 करोड़**

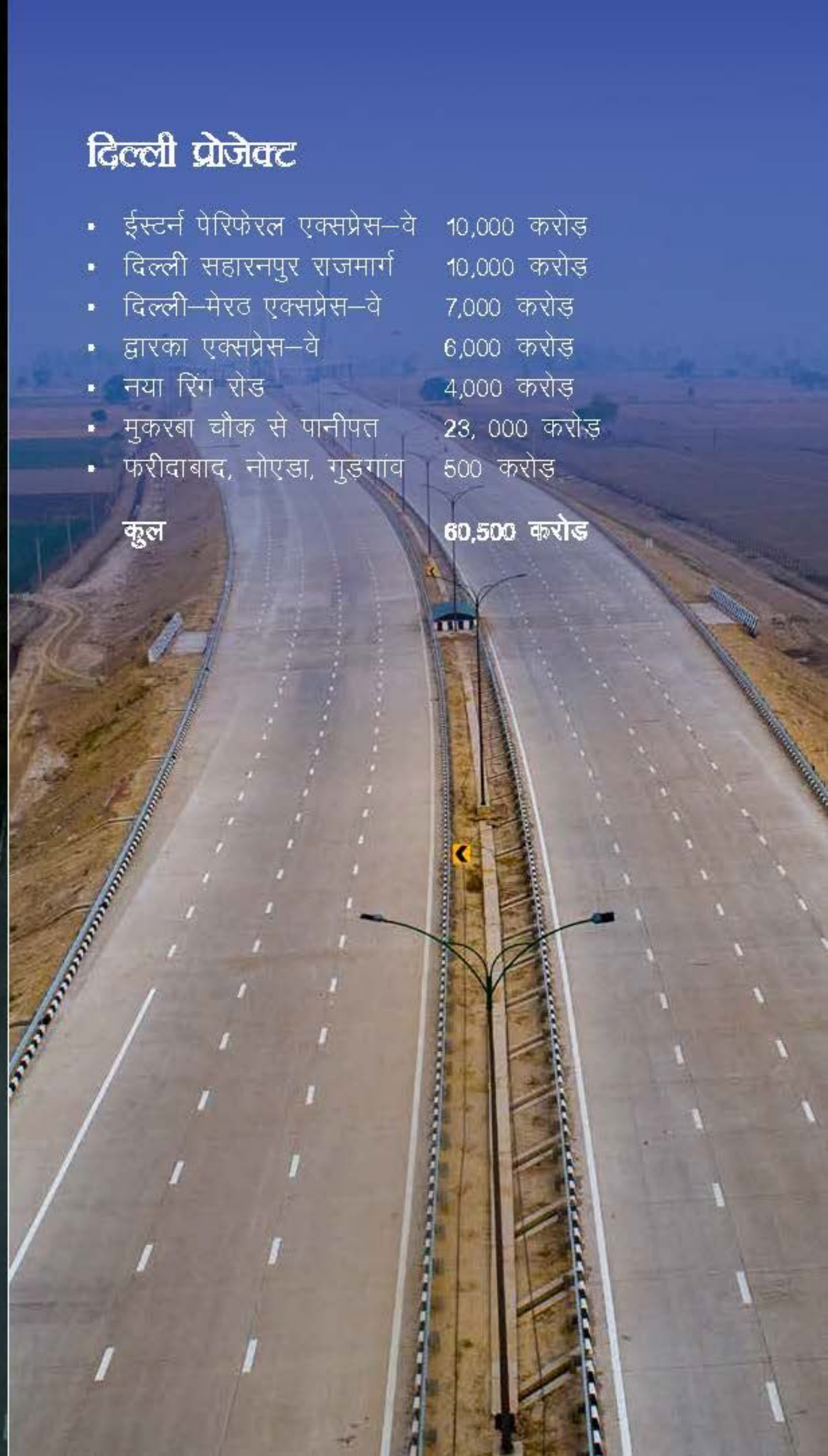

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे

एनएच–24 में सात हजार करोड़ की लागत से 90 किमी लम्बे 14 लेन के दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे का निर्माण तेजी से हो रहा है। पहले चरण का 842 करोड़ की लागत से 9 किमी का निजामुद्दीन से उत्तर प्रदेश सीमा तक का काम पूरा हो गया है। इससे दिल्ली से उत्तर प्रदेश सीमा तक पहुंचने में जहां डेढ़ घंटे का समय लगता था, वहीं अब 12 मिनट लगने लगा है। इस एक्सप्रेस–वे को बनाने के लिए 30 महीने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसे 18 महीने के रिकार्ड समय में पूरा किया गया है। 27 मई 2018 को प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश को समर्पित किया गया है।

एक नजर

- **100%** एक्सेस कंट्रोल
- **2 यमुना में नए पुल**
- **5 फ्लाईओवर**
- **4 अंडरपास**
- **4 फुट–ओवर पुल**
- **सौर संचालित** ग्रीन एक्सप्रेस–वे
- **2.5 मीटर चौड़ा साइकल ट्रैक**
- **2 मीटर चौड़ा फुटपाथ**
- यमुना पुलों पर **लगे पौधों की सिंचाई ड्रिप से**

लाभ

- उप्र आने–जाने वालों के समय की बचत
- डेढ़ घंटे की जगह लग रहा 12 मिनट
- दिल्ली के प्रदूषण में कमी आई
- दिल्ली में लगने वाले जाम की समस्या हल हुई

रिंग रोड (निजामुद्दीन ब्रिज से यूपी गेट तक)	पैकेज–1	9 किमी	842 करोड़	मई, 2018 में कार्य पूर्ण	–
दिल्ली/यूपी गेट– डासना	पैकेज–2	19.20 किमी	2500 करोड़	30% जून, 2019	कार्य हो रहा
डासना–हापुड़	पैकेज–3	22.30 किमी	1200 करोड़	70% मार्च, 2019	कार्य हो रहा
मिलकपुरा 8 लेन	फ्लाई ओवर	5 किमी	–	–	–
डासना–मेरठ	पैकेज–4	32 किमी	2300 करोड़	25% जून, 2019	कार्य हो रहा
मेरठ कनेक्टर	डीएमई	13 किमी	600 करोड़	नवंबर 2020	निविदा प्रक्रिया

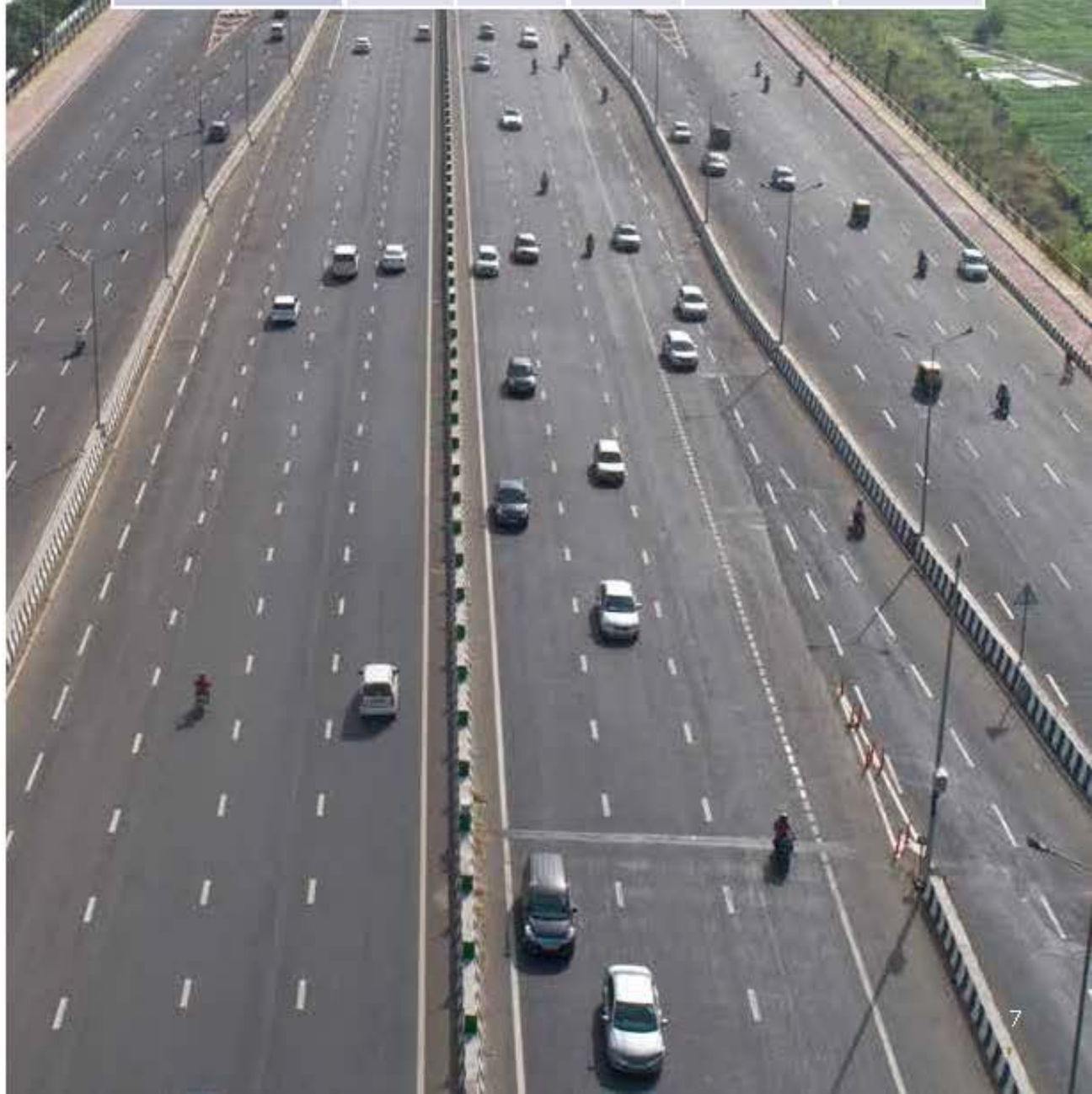

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे

देश का पहला स्मार्ट एक्सप्रेस-वे

हरियाणा और उत्तर प्रदेश से आने–जाने वाले व्यवसायिक वाहन दिल्ली के अंदर नहीं आएंगे। उनके लिए छह लेन का सीधा मार्ग मिल गया है। एक्सप्रेस–वे कुंडली से शुरू होकर बागपत, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा होते हुए पलवल को जोड़ेगा। इस एक्सप्रेस–वे के बनने से लगभग 52 हजार प्रतिदिन दिल्ली के अंदर से गुजरने वाले वाहनों में कमी आई है। इससे वाहन से होने वाले प्रदूषण में 27 प्रतिशत की कमी आई है। यह एक्सप्रेस–वे रिकार्ड समय में बनकर तैयार हुआ है। इसके लिए 910 दिन का समय निर्धारित किया गया था, 500 दिन में बनकर तैयार हुआ। यह एक्सप्रेस–वे ग्रीन फील्ड सीमेंट कंक्रीट से बना है। जिसमें सड़क के दोनों तरफ हरियाली के लिए 2.5 लाख पौधे लगाए गए हैं। रफ्तार 100 से बढ़ाकर 120 तक दी गई है। विश्व स्तरीय टोल प्लाजा, फव्वारे, स्मारकों की प्रतिकृति, प्रमुख पुल और सड़क निर्माण में बेहतर तकनीक का प्रयोग किया गया है। भारत में अपनी तरह का यह पहला स्मार्ट एक्सप्रेस–वे है। जिसमें सुरक्षित, कम समय में अधिक दूरी तय की जा रही है। 27 मई 2018 को ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया है।

लाभ

- वाहन प्रदूषण में 27% की कमी
- 52,000 वाहनों का प्रवेश कम हुआ
- यात्रा का समय 4 घंटे से घटकर 72 मिनट हुआ

एक नजर

- **135 किमी** लंबाई
- **11,000 करोड़** रुपये की लागत
- **8 लेन** पूरी तरह से नियंत्रित एक्सप्रेस–वे
- **100% सौर** ऊर्जा का प्रयोग
- **4 मेगावाट** क्षमता वाले 8 सौर ऊर्जा प्लांट
- **7 इंटरचेंज**
- **8 आरओबी**
- **5 फ्लाईओवर**
- **42 फव्वारे**
- **430 कुल** संरचनाएं

ग्रीन फील्ड

100% सौर ऊर्जा संचालित

2.5 लाख पौधरोपण

87,000 छोटे पौधरोपण

500 मीटर पर वर्षा जल संचयन

ड्रिप सिंचाई

स्मार्ट

100% एक्सेस कंट्रोल

ओवरलोड वाहनों की जांच मशीन

इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (ईटीसी)

प्रवेश एवं निकास अलग–अलग

राजमार्ग यातायात प्रबंधन प्रणाली (एचटीएमएस)

स्पीड चेकिंग सिस्टम

सुरक्षित

विश्व स्तरीय दुर्घटना समयबद्ध जानकारी प्रबंधन

वीडियो इंसिडेंट डिटेक्शन सिस्टम (वीआईडीएस)

24X7 सीसीटीवी निगरानी

परिवर्तनीय संदेश प्रणाली (वीएमएस)

चेतावनी उपकरण

फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क

निपुणता

6 लेन

7 इंटरचेंज

430 पुल, आरओबी, फ्लाईओवर, अंडरपास

फुटपाथ प्रबंधन प्रणाली

32 फव्वारे

36 स्मारकों की प्रतिकृति

विश्व स्तरीय डिजिटल आर्ट गैलरी

सभी मौसम के अनुकूल सड़क

सुविधाएं

पेट्रोल पंप

मोटल

विश्राम गृह

बाशरूम

रेस्टोरेंट

वाहन रिपेयरिंग सेंटर

शहरी विस्तार मार्ग (यूईआर-2)

बढ़ते यातायात को ध्यान में रखते हुए 1962 में दिल्ली के लिए आंतरिक और बाहरी रिंग रोड की योजना बनाई गई थी। दिल्ली में वाहनों के लगातार बढ़ रहे दबाव को कम करने के लिए एनएचएआई द्वारा इस योजना की रूपरेखा बनाई गई और उसके प्रयासों से यह लंबित परियोजना पिछले चार साल में नई गति से प्रगति कर रही है।

दिल्ली मास्टर प्लान में पश्चिमी सीमा के साथ दिल्ली में तीसरी रिंग रोड के रूप में शहरी विस्तार मार्ग (यूईआर) 2 का प्रस्ताव दिया गया है।

यूईआर 2 का मार्ग द्वारका, नजफगढ़ और रोहिणी से गुजरने वाले एनएच–1, एनएच–2, एनएच–8 और एनएच–10 को जोड़ेगा।

एक नजर

- चरण 1– 49 किमी की लंबाई, नेल्सन मंडेला मार्ग तक विस्तार के साथ एनएच–1 से एनएच–8 को जोड़ना
- चरण 2– नेल्सन मंडेला मार्ग से बदरपुर को जोड़ना
- द्वारका एक्सप्रेस–वे के हिस्से में द्वारका से शिव मूर्ति तक 7.5 किलोमीटर का खंड

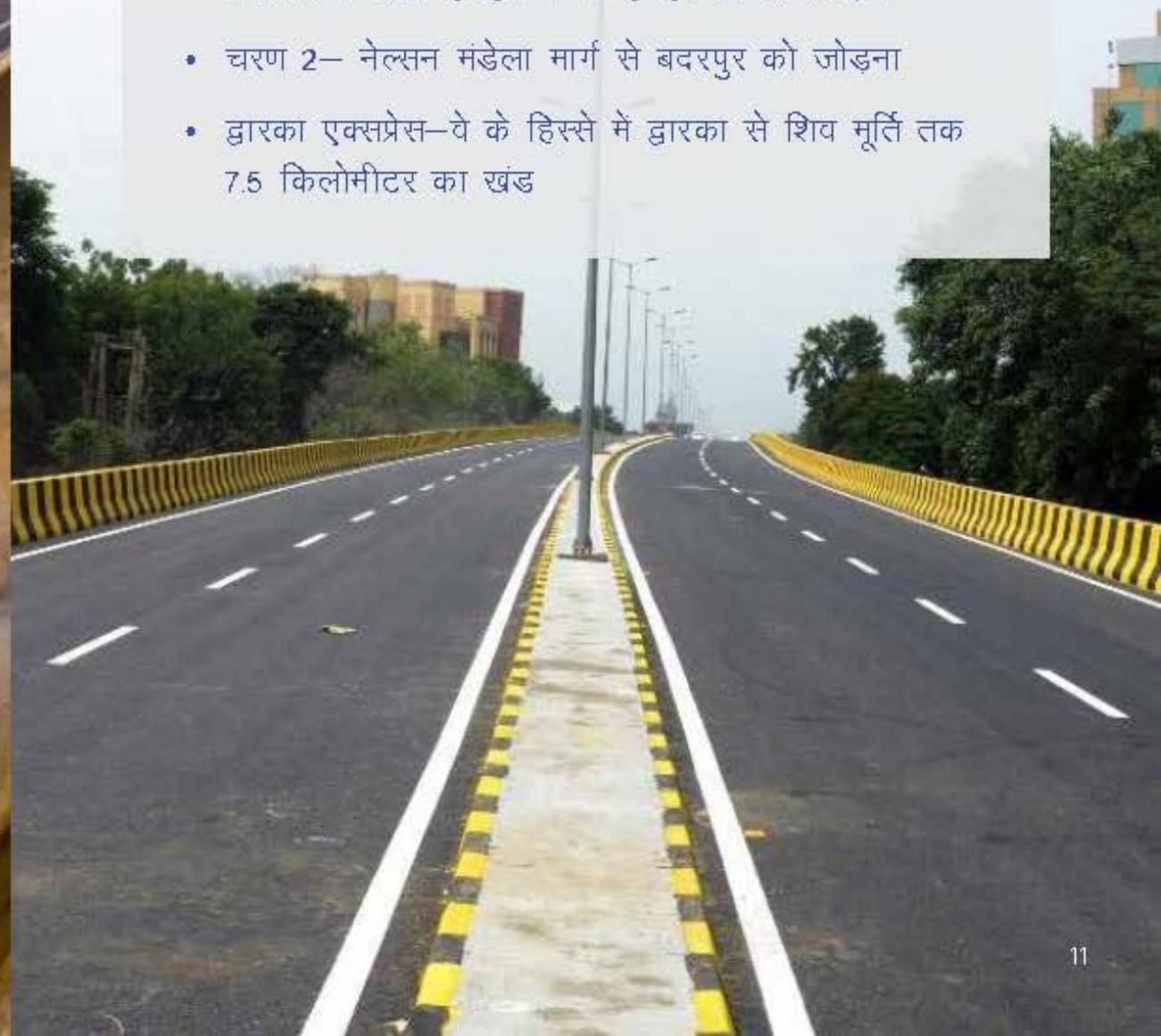

यूईआर 2 का समापन

एनएच–1, एनएच–2, एनएच–8, एनएच–10 को जोड़ना

औचंदी बवाना मार्ग

इस परियोजना में हरियाणा सीमा तक 11 किमी की लंबाई के लिए औचंदी बवाना मार्ग को उन्नति (अपग्रेड) किया जाएगा। इसमें हरियाणा सरकार बाकी खंड को खरखौदा तक अपग्रेड करेगी।

पश्चिमी यमुना नहर के भाग का उपयोग करते हुए औचंदी बवाना मार्ग यूईआर–2 से जुड़ा होगा। पश्चिमी यमुना नहर के साथ एक नया लिंक बवाना में बायपास के रूप में प्रस्तावित किया गया है।

रंगपुरी बायपास

रंगपुरी के लिए एक बायपास प्रस्तावित किया गया है। जो द्वारका और एनएच–8 को वसंत कुंज के साथ नेल्सन मंडेला मार्ग से जोड़ देगा। गुड़गांव, द्वारका की तरफ मौजूदा नेल्सन मंडेला मार्ग का विस्तार करने का प्रस्ताव रखा गया है। एनएच–8 में द्वारका एक्सप्रेस–वे के साथ अलग–अलग इंटरचेंज प्रस्तावित किए गए हैं। शिव मूर्ति के पास रंगपुरी बायपास और द्वारका एक्सप्रेस–वे के चौराहे पर एक इंटरचेंज का प्रस्ताव है।

यूईआर–2 चरण (2)

एनएच–8 से एनएच–2

यूईआर–2 के दूसरे चरण में अंधेरिया मोड़ तक एनएम मार्ग का उन्नयन, अंधेरिया मोड़ और अणुव्रत मार्ग–एमबी रोड चौराहे में एक इंटरचेंज का निर्माण किया जाएगा। एनएच–2 को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण स्थानों पर एलिवेटेड कॉरिडोर सहित मेहरौली बदरपुर रोड (एमबी रोड) का चौड़ीकरण किया जाएगा। जीएनसीटी दिल्ली द्वारा चरण–2 का काम किया जाएगा। इसमें एनएच– 236 और एनएच–2 खंड का उन्नयन करके हवाई अड्डा और पश्चिम दिल्ली के अन्य हिस्सों से आने वाले यातायात को एनएच–2 से कम करने में मदद मिलेगी।

- एनएम मार्ग और अंधेरिया मोड़ खंड को उच्च तकनीक के साथ 6 लेन तक अपग्रेड किया जाएगा।
- खानपुर, हमदर्द नगर और आनंदमयी मार्ग चौराहे पर टी–इंटरचेंज और एलिवेटेड कारिडोर बनाया जाएगा।

एनएच-२ में जाम मुक्त यातायात

जाम लगने वाली प्रमुख जगह

1. आश्रम फ्लाईओवर
2. ओखला/मोदी मिल फ्लाईओवर
3. सरिता विहार/कालिंदी कुंज
4. बदरपुर

अनुशंसाः

आश्रम में अंडरपास

आश्रम फ्लाईओवर का विस्तार

फ्रेंडस कॉलोनी में फ्लाईओवर

सरिता विहार चौक और अलीगांव में फ्लाईओवर

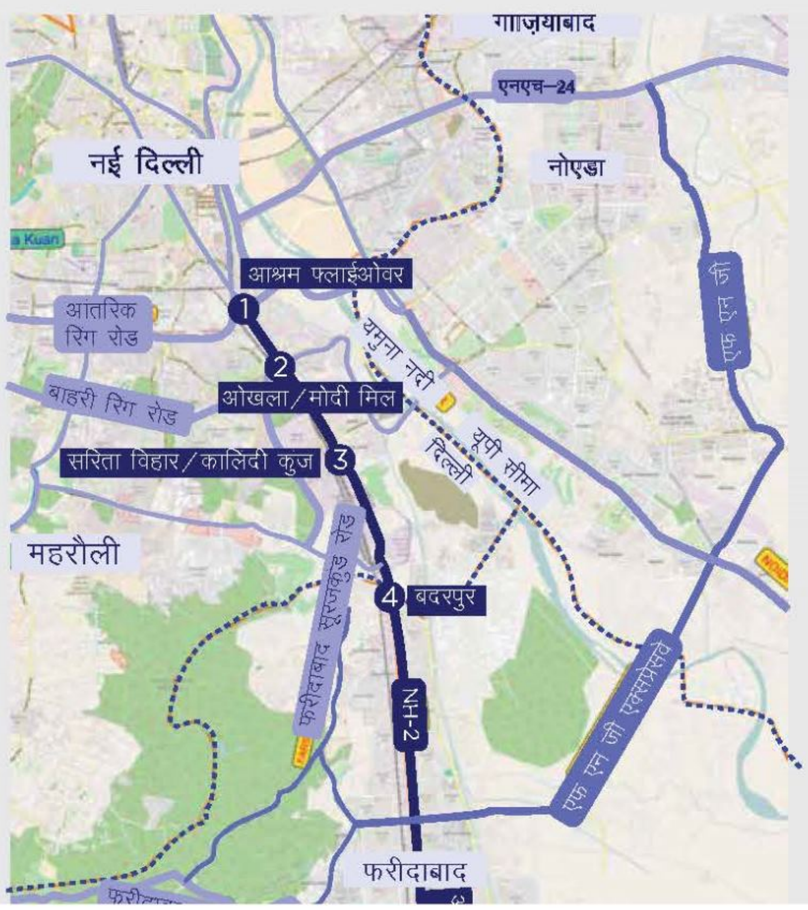

ईस्टर रिंग रोड

बाहरी रिंग रोड सलीमगढ़ किले में आंतरिक रिंग रोड के साथ समाप्त होता है। वर्तमान में एनएच–1, गाजियाबाद, पूर्वी दिल्ली से फरीदाबाद एनएच–2 तक यातायात के लिए कोई बायपास नहीं है। आश्रम और मोदी मिल फ्लाईओवर के माध्यम से यातायात गुजरता है जिससे इन स्थानों पर गंभीर जाम की स्थिति पैदा होती है।

दिल्ली पीडब्ल्यूडी ने पहले आश्रम चौक के पास कालिंदी बायपास की योजना बनाई थी। फरीदाबाद बायपास के साथ रिंग रोड, डीएनडी फ्लाईवे कनेक्टिंग यमुना के पश्चिमी बैंक के साथ कालिंदी बायपास बनाने की सिफारिश की जाती है।

कालिंदी बायपास रिंग रोड से यातायात के लिए सिग्नल फ्री कॉरिडोर होगा।

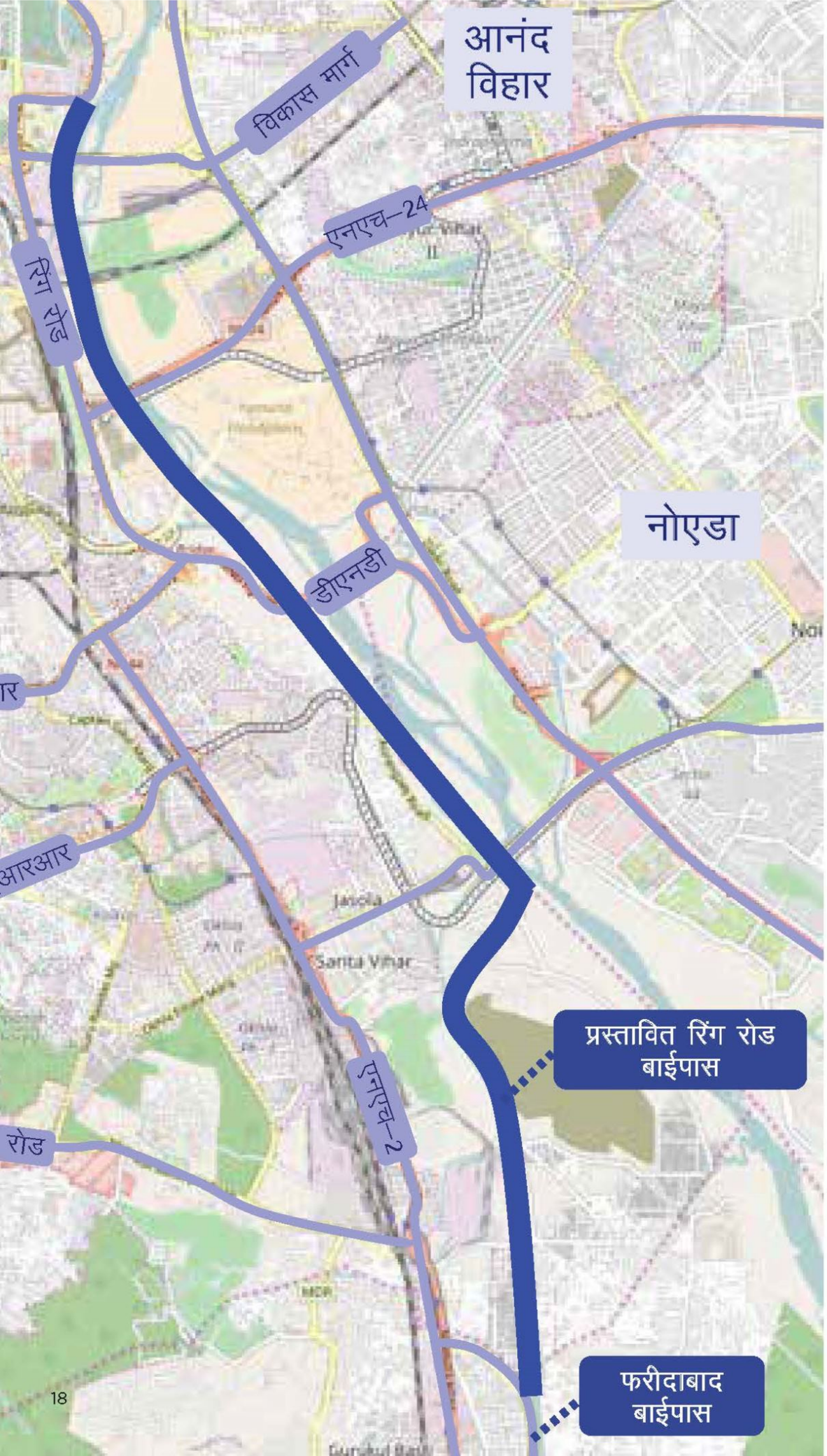

फरीदाबाद - बल्लबगढ़ बायपास

आगामी कालिंदी बायपास मौजूदा 26.1 किमी फरीदाबाद बल्लबगढ़ बायपास में एकीकृत किया जाएगा। एनएच–2 के समानांतर मार्ग को बायपास को एनएच में उन्नति (अपग्रेड) किया जाना है।

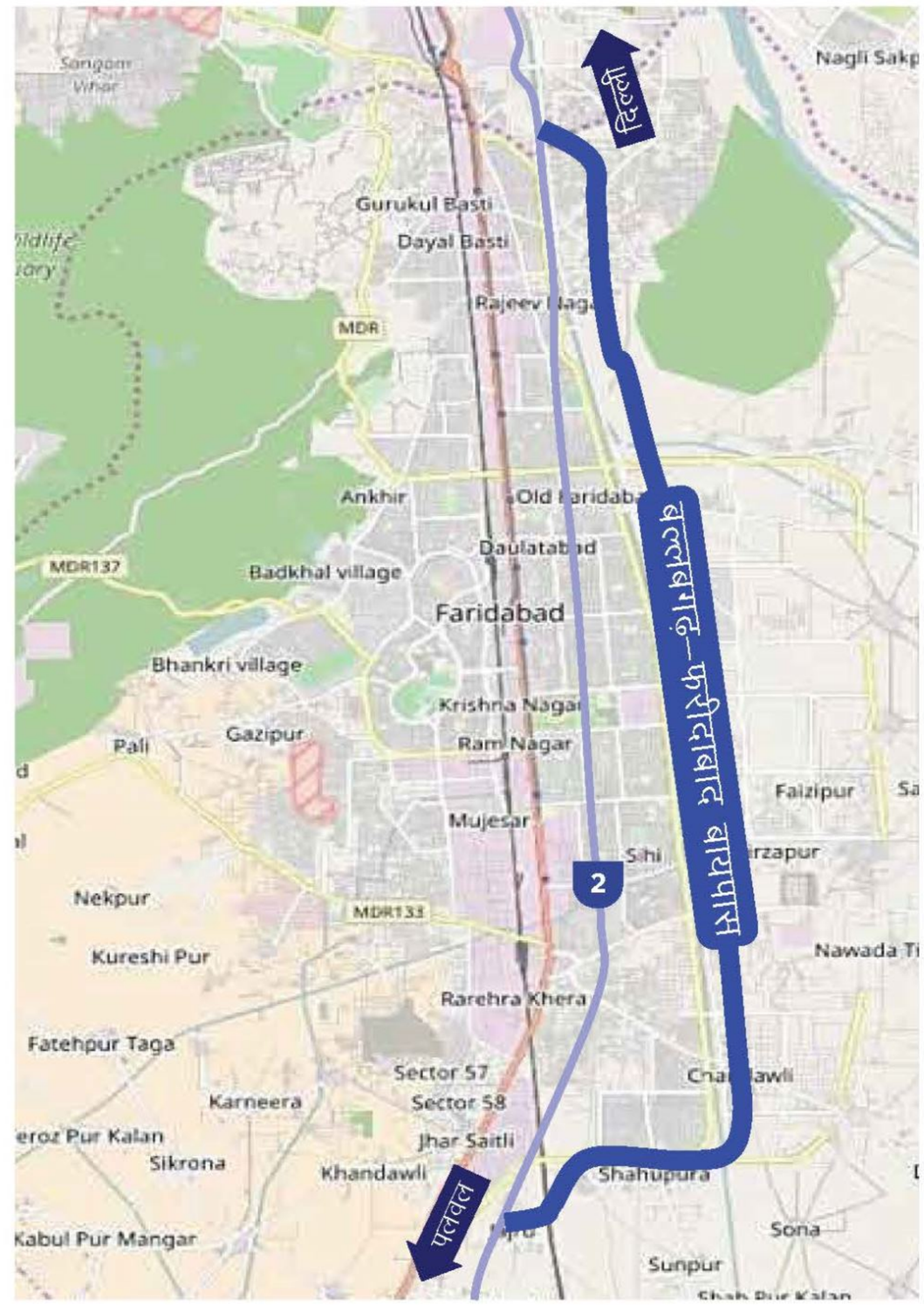

फरीदाबाद-नोएडा-गाजियाबाद (एफएनजी) एक्सप्रेस-वे

फरीदाबाद–नोएडा–गाजियाबाद मार्ग को एनएच घोषित किया जाएगा। इसके डीपीआर का काम हो रहा है। यमुना नदी और गुड़गांव नहर पर पुल का निर्माण कर फरीदाबाद नोएडा के साथ सहजता से जोड़ा जाएगा। दिल्ली, कालिंदी कुंज को छोड़कर यह एक्सप्रेस–वे फरीदाबाद, नोएडा और ग्रेटर नोएडा से जुड़ा होगा।

पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर प्रस्तावित

जीएनसीटीडी द्वारा 30 किमी लम्बे पूर्व–पश्चिम कॉरिडोर का प्रस्ताव दिया गया है। पीडब्ल्यूडी द्वारा आनंद विहार बस टर्मिनल से पीरागढ़ी तक बनाने का प्रस्ताव है। यह मार्ग रेलवे लाइन के साथ है, इसलिए ज्यादा जमीन अधिग्रहण करनी पड़ेगी। सेंट्रल मीडियन सड़क निर्माण के साथ इसे एनएच–24 और एनएच–10 से जोड़ने का प्रस्ताव है।

यह रिंग रोड, आईटीओ, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, अजमेरी गेट, देशबंधु गुप्ता रोड, पुरानी रोहतक रोड, आनंद पर्वत औद्योगिक क्षेत्र, जाखिरा और पीरागढ़ी से होकर निजामुद्दीन ब्रिज और रिंग रोड के चौराहे से शुरू होगा।

दिल्ली सहारनपुर राजमार्ग

दिल्ली–सहारनपुर के बीच 150 किमी लम्बे कॉरिडोर के निर्माण पर 10,000 करोड़ रू. खर्च किए जाएंगे। यह परियोजना भारतमाला में शामिल की गई है। यह मार्ग दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेस–वे (मौजूदा एनएच–9) से शुरू होगा। अक्षरधाम फ्लाईओवर से होकर गीता कॉलोनी, पुश्ता रोड से होकर लोनी–सहारनपुर मार्ग को जोड़ते हुए ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस.वे क्रासिंग से सहारनपुर बायपास तक जाएगा। अक्षरधाम फ्लाईओवर से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे क्रॉसिंग तक 31 किमी खंड का डीपीआर तेजी से बन रहा है। इस खंड में यातायात को सुगम बनाने एवं मार्ग को सिग्नल फ्री करने के लिए सर्विस रोड, फ्लाईओवर, आरओबी, पुल का निर्माण किया जाएगा।

पैकेज–1 अक्षरधाम (दिल्ली) से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस–वे (ईपीई)

30 किमी, 2500 करोड़

- मार्च, 2019 में अवार्ड और दिसम्बर में निविदा आमंत्रित
- सिग्नल फ्री एलिवेटेड रोड

पैकेज–2 ईपीई से शामली तक चार लेन (एनएच–709 (बी)

62 किमी, 749 करोड

अगस्त 2018 में अवार्ड कर दिया गया है। सितम्बर में शिलान्यास हो गया है।

पैकेज–3 शामली से सहारनपुर चार लेन (एनएच–709(बी)

62 किमी, 794 करोड

सितम्बर 2018 को निविदा और सितम्बर में शिलान्यास हो गया है।

द्वारका एक्सप्रेस-वे

एनएच–8 पर 6 हजार करोड़ की लागत से 28 किमी लम्बें 8 लेन एक्सेस कंट्रोल द्वारका एक्सप्रेस–वे निर्माण को मंजूरी दे दी गई है।एनएच–8 पर यह एक्सप्रेस–वे शिव मंदिर से शुरू होकर द्वारका होते हुए एनएच–8 पर खेडकी दोला के पास मिलेगा। एक्सप्रेस–वे का डीपीआर बनाया जा रहा है। इसकी सिविल लागत 270 करोड़ रू. अनुमानित है। दिल्ली–जयपुर एक्सप्रेस–वे सीधे द्व ारका एक्सप्रेस–वे से जुड़ेगा। यह पटौदी रोड को केएमपी से जोड़ेगा। केएमपी जंक्शन से चंदवाजी प्रेरणा एनएच–8 (जयपुर) पर समाप्त हो जाएगा। एनएच–8 का हीरो होण्डा चौक पर 140 करोड़ रू. की लागत से फ्लाईओवर/अण्डरपास का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है।

एयरपोर्ट सिग्नल फ्री

गुरुग्राम और एयरपोर्ट के रास्ते पर होने वाले ट्रैफिक जाम को खत्म किया जा रहा है। कैंट तिराहा में फ्लाईओवर तथा परेड रोड तिराहा में अंडरपास बन रहा है। इससे धौलाकुआ से एयरपोर्ट का रास्ता सिग्नल फ्री हो जाएगा। धौलाकुआ से एयरपोर्ट 10 मिनट में पहुँचा जा सकेगा।

बादशाहपुर से भोंडसी तक 5 कि.मी. लंबा एलिवेटेड रोड बनाया जाएगा। एम्बिएंस मॉल और शंकर चौक पर फ्लाईओवर यू–टर्न निर्माण का डीपीआर बनाया जा रहा है। इसके बनने से रजौकरी फ्लाईओवर एवं शंकर चौक में ट्रैफिक जाम में कमी आएगी।

एनएच–8 पर इफ्को चौक, सिग्नेचर चौक एवं राजीव चौक पर 504 करोड़ की लागत से फ्लाईओवर / अण्डरपास का निर्माण किया जा रहा है। यह कार्य लगभग 85 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

मुकरबा चौक से पानीपत

एनएच–1 में 20,129 करोड़ की लागत से मुकरबा चौक से पानीपत तक 8 लेन सड़क का निर्माण। एनएच–1 में 2,747 करोड़ की लागत से पानीपत से जालंधर तक 6 लेन सड़क का निर्माण।

दिल्ली की अन्य परियोजनाएं

एनएच–8 पर हरियाणा में **इफ्को चौक, सिग्नेचर टॉवर** और राजीव चौक में मौजूदा जंक्शनों के सुधार के लिए **फ्लाईओवर और अंडरपास** का निर्माण किया जाएगा।

एनएच–8 के दिल्ली–गुड़गांव एक्सेस कंट्रोल राजमार्ग खंड पर **हीरो होंडा चौक** के पास ईपीसी मोड में **फ्लाईओवर और अंडरपास** का निर्माण होगा।

दिल्ली की अन्य परियोजनाएं

एनएच –8 में **धौला कुंआ मेट्रो** स्टेशन के पास **टी–जंक्शन** में सुधार के साथ सड़क चौड़ाई का कार्य किया जा रहा है।

एनएच –8 में **आर एंड आर अस्पताल के पास अंडरपास** बनाया जाएगा और **एनएच की चौड़ाई सहित टी–जंक्शन में सुधार किया** जा रहा है।

दिल्ली में चल रहीं सड़क परियोजनाएं

क्रम संख्या	लोकसभा क्षेत्र	परियोजना नाम	नया एनएच	स्वीकृत लागत / टीपीसी (रु. करोड़ में)	कुल लंबाई (किमी)	कार्य आरंभ की तिथि	कार्य समाप्ति की तिथि
1	गुरुग्राम	द्वारका एक्सप्रेसवे – पैकेज 4 (रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) से एनएच –8–एसपीआर चौराहा तक	248 बीबी, 8	1047	8.76	नियत तारीख लंबित	–
2	गुरुग्राम	गुड़गांव – सोहना पैकेज–1	248 ए	689.98	9	नियत तारीख लंबित	–
3	गुरुग्राम	गुड़गांव – सोहना पैकेज–2	248 ए	565.76	13	नियत तारीख लंबित	–
4	गुरुग्राम	हीरो होंडा चौक में फ्लाईओवर और अंडरपास	48	–	3.77	नवम्बर–14	अप्रैल–18
5	गुरुग्राम	इफ्को चौक, सिग्नेचर चौक और राजीव चौक में मौजूदा जेएनएस के सुधार के लिए फ्लाईओवर/ अंडरपास का निर्माण	8	1005	4	दिसम्बर–16	मई–19
6	नई दिल्ली	धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के पास टी–जंक्शन का सुधार एवं एनएच की चौड़ाई बढ़ाई जा रही	8 (नया एनएच–48)	130	4	मार्च–18	मार्च–19
7	सोनीपत, बागपत	ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पैकेज–1	एनइ–2	792	22	सितम्बर–15	अप्रैल–18
8	गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर	ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पैकेज–3	एनइ–2	774	24.5	सितम्बर–15	अप्रैल–18
9	पूर्वी दिल्ली, दक्षिण दिल्ली	दिल्ली– मेरठ एक्सप्रेस–वे पैकेज –1	24	842	8.71	नवम्बर–16	मई–19
10	गाजियाबाद, मेरठ	दिल्ली – मेरठ एक्सप्रेस–वे पैकेज–3	24	1058	22.3	दिसम्बर–16	जून–19
11	गौतमबुद्ध नगर	दिल्ली– मेरठ एक्सप्रेस–वे पैकेज–2	24	1368	19.28	नवम्बर–17	मई–20

सैद्धांतिक मंजूरी वाले घोषित एनएच

क्रम संख्या	विस्तार	लगभग लंबाई
1	एनएच 8–द्वारका एक्सप्रेस–वे पर द्वारका–दिल्ली से खेरकी दौला हरियाणा तक(दिल्ली–9 किमी, हरियाणा–18 किमी)	9.90
	कुल	**9.90**
	कुल	**9.90**

प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग

सड़क की कहानी

राष्ट्रीय राजमार्ग में प्रगति का नया दौर

राष्ट्रीय राजमार्ग का विकास हुआ तेज

राष्ट्रीय राजमार्ग बुनियादी ढांचे की लंबाई में वृद्धि

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई
91,287 किमी
वर्ष 2010-2014

राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई
1,26,350 किमी
वर्ष 2014-2018

नए राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण

पिछले 4 साल में 86,371.5 नए और सैद्धांतिक राष्ट्रीय राजमार्ग बढ़ाए गए हैं।

नए राष्ट्रीय राजमार्ग
20,353.2 किमी
वर्ष 2010-2014

नए राष्ट्रीय राजमार्ग
20,353.2 किमी
+
सैद्धांतिक मंजूरी वाले एनएच की लंबाई
51,980 किमी
कुल लम्बाई
86,371.5 किमी
वर्ष 2014-2018

राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में तेजी

पिछले 4 साल में 2–4 किमी से 28 किमी प्रतिदिन राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण दक्षता में वृद्धि की गई।

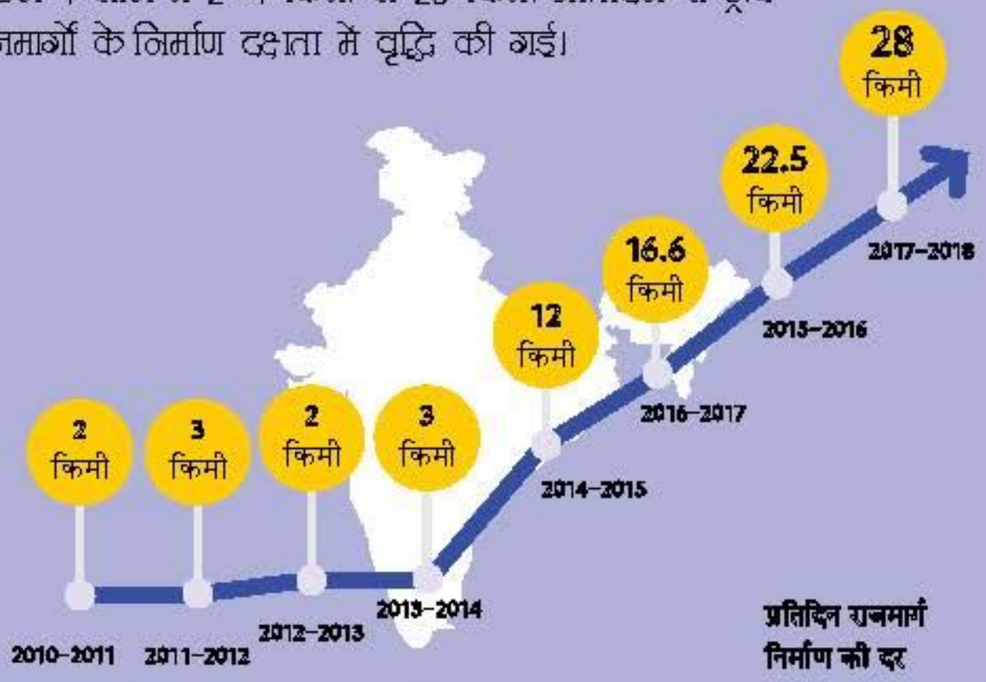

सड़कों का निर्माण

4 वर्षों में सड़क क्षेत्र में 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश
सड़क निर्माण कार्य में 168% की महत्वपूर्ण वृद्धि

वर्ष 2010–2014
19,444 किमी
कुल लागत 1.16 लाख करोड़

वर्ष 2014–2018
28,532 किमी
कुल लागत 3 लाख करोड़

अवार्ड किए गए काम

100% वृद्धि के साथ अवार्ड सड़क पर खर्च की जाने वाली लागत 4.68 लाख करोड़ रुपए

वर्ष 2010–2014
राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई: 25,609 किमी
कुल लागत: 1.62 लाख करोड़

वर्ष 2014–2018
राष्ट्रीय राजमार्ग लंबाई: 51,075.32 किमी
कुल लागत: 4.68 लाख करोड़

सेंट्रल रोड फंड के तहत त्वरित विकास

सेंट्रल रोड फंड (सीआरएफ) कार्यों की लागत में 207.6% की महत्वपूर्ण वृद्धि

वर्ष 2010–2014
925 परियोजनाओं
कुल लागत 8,613.51 करोड़

वर्ष 2014–2018
2,876 परियोजनाओं
कुल लागत 48,186.57 करोड़

भारतीय परिवहन क्षेत्र में सुधारात्मक पहल

2014–2018 में महत्वपूर्ण प्रयास

पिछले चार वर्षों में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्गों पर विभिन्न तरह की अच्छी कोशिश की गई है। जिसमें पारदर्शी प्रक्रिया, सुदूर क्षेत्रों को मुख्य मार्ग से जोड़ने, सड़क दुर्घटना में कमी लाने, श्रमिकों को प्रशिक्षण के साथ स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए गए हैं।

मोटर वाहन (संशोधन) विधेयक, 2017: पारदर्शिता लाने, भरष्टाचार को कम करने

ई-टोल: पारदर्शिता सुनिश्चित करने, फास्टैग प्रणाली, समय-ईधन की बचत, टौल प्लाजा में लंबी कतारों को कम करने

ई-रिक्शा: मानव को मानव द्वारा ढोने की अमानवीय प्रथा को खत्म करने तथा युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने

एलएमवी और एलसीवी ड्राइवरों के लिए वाणिज्यिक लाइसेंस की आवश्यकता से छूट

हर जिले में ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर खुलेगा, 22 लाख कुशल चालकों की कमी दूर होगी

2017 तक सड़क दुर्घटनाओं से मौत में 0.2% – 15% कमी

सड़क दुर्घटना कम करने के लिए वार्षिक सुरक्षा योजना

सड़क दुर्घटना के पीड़ितों की मुआवजा राशि बढ़ाकर 5 लाख रुपए की गई

सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एनजीओ के साथ भागीदारी करना

देश में प्रदूषण की बढ़ रही समस्या को हल करने के लिए ग्रीन ईधन का विकल्प अपनाने का रास्ता निकाला गया है। इसके लिए बैट्री चालित, इलेक्ट्रिक वाहन पेश किए गए हैं। वाहनों के प्रदूषण उत्सर्जन मानकों को अपग्रेड किया गया है। जैव ईंधन बी –100, फ्लेक्स-ईंधन ई –85 या ई –100 और इथेनॉल ईडी –95, मेथनॉल एम –15 या एम –100 और मेथनॉल एमडी-95 के साथ बीएस मानदंड मानकीकृत किए गए हैं। भारत में 15% मेथनॉल मिश्रण कर लगभग 31.9 मिलियन टन कच्चे तेल को पेट्रोलियम पदार्थों में बदला जा सकता है। कच्चे तेल की कीमत 54 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहती है। इससे स्वच्छ ऊर्जा जैव ईंधन के उपयोग से ईंधन लागत में कमी आएगी। स्वच्छ गैसोलीन की तुलना में, एम –15 सीओ और एचसी उत्सर्जन को 40% कम कर देता है। जैव ईंधन भारत में वाहन प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद करेगा।

एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम वाहन और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करना

वाहनों की फिटनेस की जांच के लिए आदर्श स्वचालित केंद्र स्थापित करना

बस स्टैंडों के आधुनिकीकरण का कार्यक्रम

ड्राइविंग लाइसेंस के लिए नियमों का सरलीकरण

वाहनों की स्पीड वैश्विक प्रथाओं के अनुसार 100 किमी प्रति घंटा से 120 किमी प्रति घंटा तक बढ़ाई गई

टैक्सी नीति के लिए नए दिशानिर्देश बनाए गए, जिससे ट्राफिक जाम और दुर्घटना को रोका जा सके

भारत में पहली बार पुलों की गणना की गई है। इसके लिए पुल प्रबंधन प्रणाली (आईबीएमएस) का गठन किया गया। पिछले तीन साल में देश के अंदर स्थिति सभी पुलों की गणना की गई और उनकी स्थिति का निरीक्षण कर पूरी जानकारी संग्रहित की गई है। देश में अभी तक 1,72,519 पुलों की पूरी जानकारी एकत्र की जा चुकी है। ये पुल कब बने, इस समय किस स्थिति में हैं। उनकी मरम्मत का काम कब होना चाहिए। इससे उन पुलों के रखरखाव और पुर्ननिर्माण का काम आसानी से हो सकेगा।

देश में सड़क दुर्घटना को कम करने के लिए कई तरह के अन्य प्रयासों के साथ सबसे ज्यादा दुर्घटना वाली जगहों की पहचान की गई है। देश में 789 ब्लैक स्पॉट की पहचान कर उसमें सुधार का काम किया जा रहा है। कुछ जगहों की सड़क की डिजाइन में बदलाव कर सुधारा जा रहा। सूचना चिंह लगाए जा रहे हैं। 265 ब्लैक स्पॉट में सुधार का काम किया जा चुका है।

318 ब्लैक स्पॉट को सुधारने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है। पहचान की गई सड़कों में राज्य सरकार की सड़कों को दुर्घटनाविहीन बनाने का विभिन्न चरणों में हैं। राज्य सरकार की सड़कों पर या अन्य एजेंसियों के साथ 139 ब्लैक स्पॉट में 67 ब्लैक स्पॉट पर अलग-अलग काम तेजी से चल रहा है।

मंज़िलें अभी और भी हैं

साफ नीयत
सही विकास

www.nitingadkari.org

www.facebook.com/nitingadkary

www.twitter.com/nitin_gadkari

www.pbookpad.com